अतिरिक्त भाग

कुछ हेरोदेस

नीचे दिया गया चार्ट हेरोदेस महान के तीन पुत्रों (तीनों अलग-अलग पत्नियों से) और उन में से दो वंशजों को दिखाता है। चार्ट से हेरोदियास के साथ हेरोदेस अन्तिपास के सज़्बन्ध को समझने में सहायता मिलेगी।

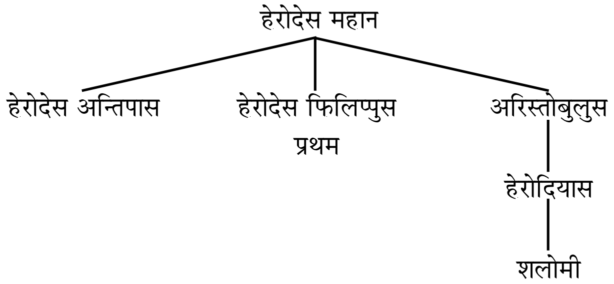

''हेरोदेस फिलिप्पुस प्रथम'' लूका 3:1 वाला चौथाई का राजा नहीं था। हेरोदेस फिलिप्पुस प्रथम को रोम से निकाल दिया गया था। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि शलोमी हेरोदियास और हेरोदेस फिलिप्पुस प्रथम की बेटी थी।

गलील की झील

गलील सागर यरदन नदी की घाटी के उत्तरी छोर पर है। पुराने नियम में इसे किन्नेरेत नामक तलाब (गिनती 34:11; यहोशू 12:3; 13:27) कहा जाता था, जिसका नाम गढ़ वाले नगरों में शामिल था (यहोशू 19:35; 1 राजा 15:20)। नये नियम में इसे सामान्यतया गलील के इलाके के नाम पर गलील सागर या झील कहा जाता है। लूका ने इसे गन्नेसरत की झील (लूका 5:1) कहा है; गन्नेसरत इसके पश्चिम में था (मत्ती 14:34)। इस झील को बाद में तिबिरियास की झील कहा जाता था (यूहन्ना 6:1; 21:1) जो इसके पश्चिमी तट पर बसे एक नगर पर रखा गया था। उलझन से बचने के लिए हम पानी के इस जमाव को गलील की झील ही कहेंगे।

आड़ू के आकार की, यह झील लगभग तेरह मील गुणा सात मील लम्बी, समुद्र तल से लगभग सात सौ फुट नीचे है। इस झील की सबसे अधिक गहराई लगभग 150 फुट है। इसके चारों ओर पहाड़ियां हैं, जो इससे छह सौ से एक हजार फुट ऊंचाई पर हैं। कभी-कभी ऊंचाई से चलने वाली शीतल वायु इसके पानी में लहरों की बड़ी-बड़ी तरंगें बना देती है।

क्योंकि इस झील में पानी आता भी है और निकलता भी है, इसलिए इसका पानी ताजा और स्वच्छ रहता है, इसमें मछलियों की भरमार है (मृत सागर के विपरीत)। मसीह के समय में, इसके आस-पास नगर थे, जिससे इसकी गहराई से मछलियों के लिए तैयार बाज़ार मिल जाता था। "मछलियां पकड़ने, यातायात करने और मनोरंजन के लिए हजारों नावें झील पर घूमती रहती थीं, जिससे पूरा क्षेत्र ऊर्जा और समृद्धि का केंद्र बना हुआ था।"[1]

टिप्पणी

[1]जेम्स स्टाल्कर, *द लाइफ ऑफ जीज़स क्राइस्ट* (शिकागो: फ़्लेमिंग एच. रेवल कं., 1981), 59.

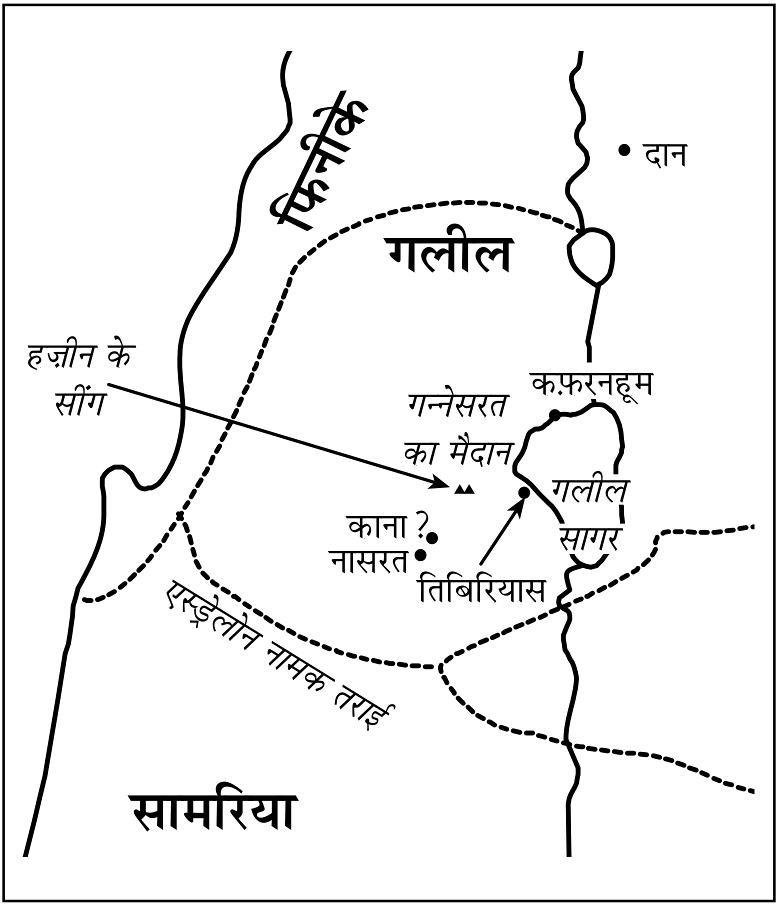
फिनीके
दान
गलील
हज़ीन के सींग
कफ़रनहूम
गन्नेसरत का मैदान
गलील सागर
काना ?
नासरत
तिबिरियास
एस्ड्रेलोन नामक तराई
सामरिया

प्रेरित

पतरस–उसे शमौन भी कहा जाता था। उसका नाम कैफ़ा रखा गया, जिसका अर्थ ''चट्टान'' है। उसने यहूदियों में अपना सुसमाचारीय कार्य किया तथा 1 व 2 पतरस की पुस्तकें लिखीं। शायद उसने मरकुस रचित सुसमाचार लिखने में भी सहयोग दिया।

अन्द्रियास–यह पतरस का भाई था और इसने पतरस को यीशु से मिलाया था (यूहन्ना 1:40–42)। ये दोनों भाई बैतसैदा के मछुआरे थे।

याकूब–यह यूहन्ना का भाई था। दोनों जब्दी और शलोमी के बेटे थे और अपने पिता के साथ बैतसैदा में काम करते थे। कभी–कभी ''बड़ा'' कहलाने वाला याकूब यरूशलेम और यहूदिया में प्रचार करता था। 44 ईस्वी में हेरोदेस द्वारा उसका सिर कटवा दिया गया था, और वह पहला शहीद प्रेरित बना।

यूहन्ना–यह याकूब का भाई था। दोनों अपने पिता के साथ मछलियां पकड़ते थे (मरकुस 1:19, 20)। यीशु ने इन दो भाइयों को ''गर्जन के पुत्र'' कहा (मरकुस 3:17)। यूहन्ना ने एशिया माइनर की कलीसियाओं में, विशेषकर इफिसुस में कार्य किया। 95 ईस्वी में, उसे पतमुस में देश निकाला दे दिया गया, जहां उसने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक लिखी। उसके लेखों में यूहन्ना रचित सुसमाचार तथा 1, 2 और 3 यूहन्ना की पत्रियां हैं।

फिलिप्पुस–यह बैतसैदा का रहने वाला था। इसने नतनएल को यीशु के बारे में बताया (यूहन्ना 1:44–46)।

बरतुल्मै–सम्भवतया यह सुसमाचार के यूहन्ना के वृत्तांत वाला नतनएल ही था (यूहन्ना 1:44–46)। यह काना के गलील का रहने वाला था।

थोमा–इसे दिदमुस (''जुड़वां'') भी कहा जाता था (यूहन्ना 11:16; 20:24; 21:2)। यह गलील का रहने वाला था। सीरिया के मसीहियों द्वारा इसे उस देश में कलीसिया आरम्भ करने वाला होने का दावा किया जाता है; सम्भवतया इसने फारस और भारत में भी कलीसियाएं कायम कीं।

मत्ती–इसे हलफई के पुत्र लेवी के रूप में भी जाना जाता था (मत्ती 9:9; मरकुस 2:14)। यह कफ़रनहूम का रहने वाला था और रोमी सरकार के लिए कर जमा करने का काम करता था।

याकूब–कभी–कभी इसे ''छोटा'' कहा जाता है, यह याकूब हलफई और मरियम का पुत्र था (मत्ती 10:3; 27:56)। (क्या याकूब और मत्ती भाई थे? यह हम नहीं जानते।) यह गलील का रहने वाला था और इसने याकूब की पुस्तक लिखी।

तद्दै–याकूब के पुत्र, इस आदमी को यहूदा या ज्यूड के नाम से भी जाना जाता था (मत्ती 10:3; लूका 6:16)। यह गलील का रहने वाला था।

शमौन ज़ेलोतेस–इसे कनानी के रूप में भी जाना जाता था, जो अरामी शब्द के लिप्यंतरण ''ज़ेलोतेस'' के लिए एक और शब्द है। शमौन गलील का रहने वाला था।

यहूदा इस्करियोती–''इस्करियोती'' सम्भवतया यह संकेत देता है कि वह यहूदिया के करिय्योत नगर का रहने वाला था। उसने यीशु को पकड़वाया और फिर आत्महत्या कर ली।

मत्तियाह–यहूदा इस्करियोती की मृत्यु के बाद पर्ची डालकर उसकी जगह मत्तियाह का चयन किया गया था (प्रेरितों 1:26)। प्रेरितों 1:21 से हमें पता चलता है कि मत्तियाह ''यूहन्ना के बपतिस्मे से लेकर उसके ऊपर उठाए जाने तक'' यीशु और उसके चेलों के साथ रहा था।

पौलुस–शाऊल, बाद में पौलुस, कलीसिया का एक सताने वाला, अन्यजातियों का विशेष प्रेरित होने के लिए बुलाया गया था (रोमियों 11:13; 1 कुरिन्थियों 1:1; 9:1; 15:9; 2 कुरिन्थियों 12:12; गलातियों 1:1; 1 तीमुथियुस 2:7)। दमिश्क के मार्ग पर यीशु ने इसे दर्शन दिया। इसने नये नियम का काफ़ी भाग लिखा।

प्रेरित प्रभु द्वारा नियुक्त किए गए उसके विशेष दूत थे, जो उसके जीवन तथा पुनरुत्थान की व्यक्तिगत गवाही दे सकते थे। यहूदा इस्करियोती की जगह नियुक्त होने वाले नये प्रेरित के लिए आवश्यक था कि वह यीशु और उसके अनुयायी के साथ उसकी पूरी सेवकाई के दौरान रहा हो (प्रेरितों 1:21)। बाद में, मसीह ने पौलुस को अन्यजातियों का प्रेरित बनाने के योग्य बनाने के लिए दर्शन दिया (देखें 1 कुरिन्थियों 15:8)। यहां दी गई कुछ जानकारी फ्रैंक एल. कॉक्स, ''द ग्लोरियस कम्पनी ऑफ़ द अपोस्टल्स,'' *द मिनिस्टर'स मन्थली* (फरवरी 1960): 254 से ली गई है।

पवित्र शास्त्र में दी गई प्रेरितों की सूचियां *

मज़ी 10:2–4	*मरकुस 3:16–19*	*लूका 6:13–16*	*प्रेरितों 1:13*
शमौन पतरस	शमौन पतरस	शमौन पतरस	पतरस
अन्द्रियास	याकूब	अन्द्रियास	यूहन्ना
याकूब	यूहन्ना	याकूब	याकूब
यूहन्ना	अन्द्रियास	यूहन्ना	अन्द्रियास
फिलिप्पुस	फिलिप्पुस	फिलिप्पुस	फिलिप्पुस
बरतुल्मै	बरतुल्मै	बरतुल्मै	थोमा
थोमा	मज़ी	मज़ी	बरतुल्मै
मज़ी	थोमा	थोमा	मज़ी
हलफई का	हलफई का	हलफई का	हलफई का
पुत्र याकूब	पुत्र याकूब	पुत्र याकूब	पुत्र याकूब
तद्दै	तद्दै	शमौन ज़ेलोतेस	शमौन ज़ेलोतेस
शमौन कनानी**	शमौन कनानी	याकूब का बेटा यहूदा	याकूब का पुत्र यहूदा
यहूदा इस्करियोती	यहूदा इस्करियोती	यहूदा इस्करियोती	

* डॉटड लाइनें इन समूहों की चर्चा पाठ में होने का संकेत करती हैं।

** यूनानी में मज़ी और मरकुस में ''कनानी'' शब्द इस्तेमाल किया गया है, अंग्रेज़ी के कुछ अनुवादों में ''ज़ेलोतेस'' है, परन्तु अर्थ एक ही है।

इस पुस्तक में वर्णित मसीह की यात्राएं

गलीली की महान सेवकाई का आरम्भ (मत्ती 4:12; मरकुस 1:14, 15; लूका 4:14, 15)	गलील
कफ़रनहूम में ठिकाना बनाना (मत्ती 4:13–17; लूका 4:31)	कफ़रनहूम
पूर्णकालिक चेले बनने की बुलाहट (मत्ती 4:18–22; मरकुस 1:16–20; लूका 5:1–11)	कफ़रनहूम
आराधनालय में दुष्टात्मा से ग्रस्त आदमी को चंगा करना (मरकुस 1:21–28; लूका 4:31–37)	कफ़रनहूम
चंगाई के और बहुत से आश्चर्यकर्म (मत्ती 4:23–25; 8:14–17; मरकुस 1:29–39; लूका 4:38–44)	कफ़रनहूम और गलील
एक कोढ़ी को चंगा करना (मत्ती 8:2–4; मरकुस 1:40–45; लूका 5:12–15)	गलील
एक अधरंगी को चंगा करना (मत्ती 9:2–8; मरकुस 2:1–12; लूका 5:17–26)	कफ़रनहूम
मत्ती की बुलाहट; मत्ती की दावत (मत्ती 9:9–17; मरकुस 2:13–22; लूका 5:27–39)	कफ़रनहूम
बैतसैदा के कुण्ड पर एक चंगाई (यूहन्ना 5:2–47)	यरूशलेम
सब्त की परम्पराओं के विरुद्ध बचाव (मत्ती 12:1–14; मरकुस 2:23–3:6; लूका 6:1–11)	कफ़रनहूम
बारह प्रेरित नियुक्त करना (मत्ती 10:2–4; मरकुस 3:13–19; लूका 6:12–19)	हत्तीन के सींग (?)
पहाड़ी उपदेश (मत्ती 5–7; लूका 6:20–49)	हत्तीन के सींग (?)
सूबेदार के सेवक को चंगा किया (मत्ती 8:1, 5–13; लूका 7:1–10)	कफ़रनहूम
विधवा का पुत्र जिलाया (लूका 7:11–17)	गलील
दूसरा गलीली दौरा (लूका 8:1–3)	गलील

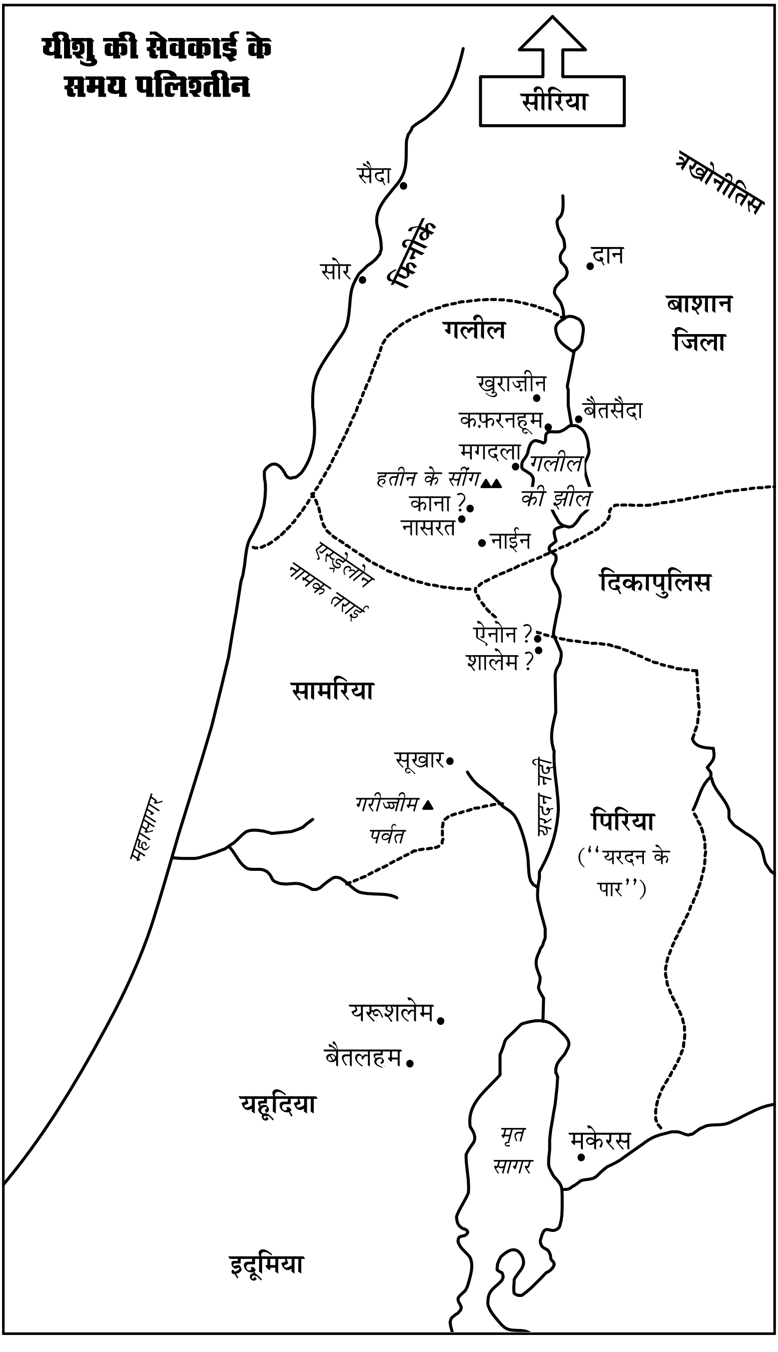
यीशु की सेवकाई के
समय पलिश्तीन
सीरिया
त्रखोनीतिस
सैदा
फिनीके
सोर
दान
बाशान
जिला
गलील
खुराज़ीन
बैतसैदा
कफ़रनहूम
मगदला
गलील
की झील
हतीन के सींग
काना ?
नासरत
नाईन
एस्ड्रेलोन
नामक तराई
दिकापुलिस
ऐनोन ?
शालेम ?
सामरिया
सूखार
गरीज्जीम
पर्वत
यरदन नदी
पिरिया
(“यरदन के
पार”)
महासागर
यरूशलेम
बैतलहम
यहूदिया
मृत
सागर
मकेरस
इदूमिया

योना का चिह्न

पुनरुत्थान पर प्रचार करना सर्वदा महत्वपूर्ण रहा है। ऐसा प्रवचन नीचे दिए विभाजनों का इस्तेमाल करते हुए "योना का चिह्न" नाम से दिया जा सकता है (मत्ती 12:38–41; लूका 11:16, 29, 30, 32):

I. *एक दिलचस्प कहानी।* (आयतों की व्याख्या करें। "एक व्यस्त दिन" पाठ और "तीन दिन और तीन रातें" लेख देखें।)

II. *एक अखंडनीय तथ्य।* कुछ लोग योना की कहानी की प्रामाणिकता को नहीं मानते, परन्तु यीशु ने इस बात की पुष्टि की कि सचमुच में ऐसा हुआ था। कुछ लोग पुनरुत्थान की बात से इन्कार करते हैं, परन्तु प्रमाण दिए जा सकते हैं।

III. *एक प्रभावशाली चिह्न।* योना का मछली के पेट से जीवित निकलना इस बात का चिह्न था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया नबी था। यीशु का पुनरुत्थान इस बात का चिह्न है कि वह परमेश्वर का पुत्र है; वह "मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा" था (रोमियों 1:4)।

IV. *अपरिहार्य निष्कर्ष।* मत्ती 12:41 कहता है, "नीनवे के लोग न्याय के दिन इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहराएंगे, क्योंकि उन्होंने यूनुस का प्रचार सुनकर, मन फिराया, और देखो, यहां वह है जो यूनुस से भी बढ़ा है" (देखें लूका 11:32)। यदि हम "योना का चिह्न" (पुनरुत्थान) को ठुकराते हैं, तो हम दोषी ठहरेंगे।

तीन दिन और तीन रातें (मत्ती 12:40)

यीशु ने चिह्न मांगने वालों को बताया, ''यूनुस तीन रात-दिन जल-जन्तु के पेट में रहा, वैसे-ही मनुष्य का पुत्र तीन रात-दिन पृथ्वी के भीतर रहेगा'' (मत्ती 12:40)। परन्तु, अपने चेलों को अपने पुनरुत्थान के बारे में बताते हुए, उसने कहा कि वह ''*तीसरे* दिन'' जी उठेगा (मत्ती 16:21; 17:23; 20:19)। लूका 24:6-8, 13-27 में हम उसकी बात को पूरा होते देखते हैं।

जहां तक हम बता सकते हैं, ''यीशु एक पूरा दिन, दो पूरी राते और दो दिनों का कुछ भाग कब्र में रहा था।''[1] फिर, उसने, ज़्यों कहा कि ''वह तीन दिन और तीन रात'' कब्र में रहेगा? जे. डब्ल्यू. मैक्गर्वे ने यह व्याख्या दी है:

> ... यहूदी लोग दिन के आरम्भ में हो या अन्त में, इसे पूरे दिन के रूप में मानते थे, [यीशु] के तीन दिन कब्र में होने की बात सही थी। यहूदियों में तीन वाक्यांश थे ... : ''तीसरे दिन,'' ''तीन दिन बाद,'' और ''तीन दिन और तीन रातें,'' जिन सब का अर्थ एक ही था; यानि कि तीन दिन, जिनमें से दो आशिंक दिन हो सकते थे। उनके लिए तीन पूरे दिनों और रातें यदि सूर्यास्त अर्थात दिन के आरम्भ से शुरू होने पर चार दिन ही माने जाते थे [प्रेरितों 10:1-30]। दिनों की यहूदी गणना के उदाहरणों के लिए देखें [1 राजा 12:5, 12; एस्तेर 4:1, 16; मत्ती 27:63, 64]।[2]

नैट ऊपर ने एक चार्ट तैयार किया है जिसमें मृत्यु से पूर्व के यीशु के जीवन के अन्तिम दिन को दिखाया गया है और ''तीन दिन और तीन रातों'' को दर्शाया गया है जिनमें वह कब्र में था।[3] उसके चार्ट की एक नकल नीचे दी गई है।

टिप्पणियां

[1]जे. डब्ल्यू. मैक्गर्वे एण्ड फिलिप वाई. पैंडलटन, *द फ़ोरफ़ोल्ड ऑर ए हारमनी ऑफ़ द फ़ोर गॉस्पल्स* (सिंसिनटी: स्टैण्डर्ड पब्लिशिंग कं., 1914), 306. इस पर विस्तार में चर्चा यीशु के पुनरुत्थान के अध्ययन में करेंगे। [2]वहीं। [3]नैट कुपर, *ए स्टडी ऑफ़ द लाइफ ऑफ़ क्राइस्ट* (लब्बॉक, टैक्सस: सनसेट इन्टरनेशलन बाइबल इंस्टीट्यूट, पृ. नहीं), 54.

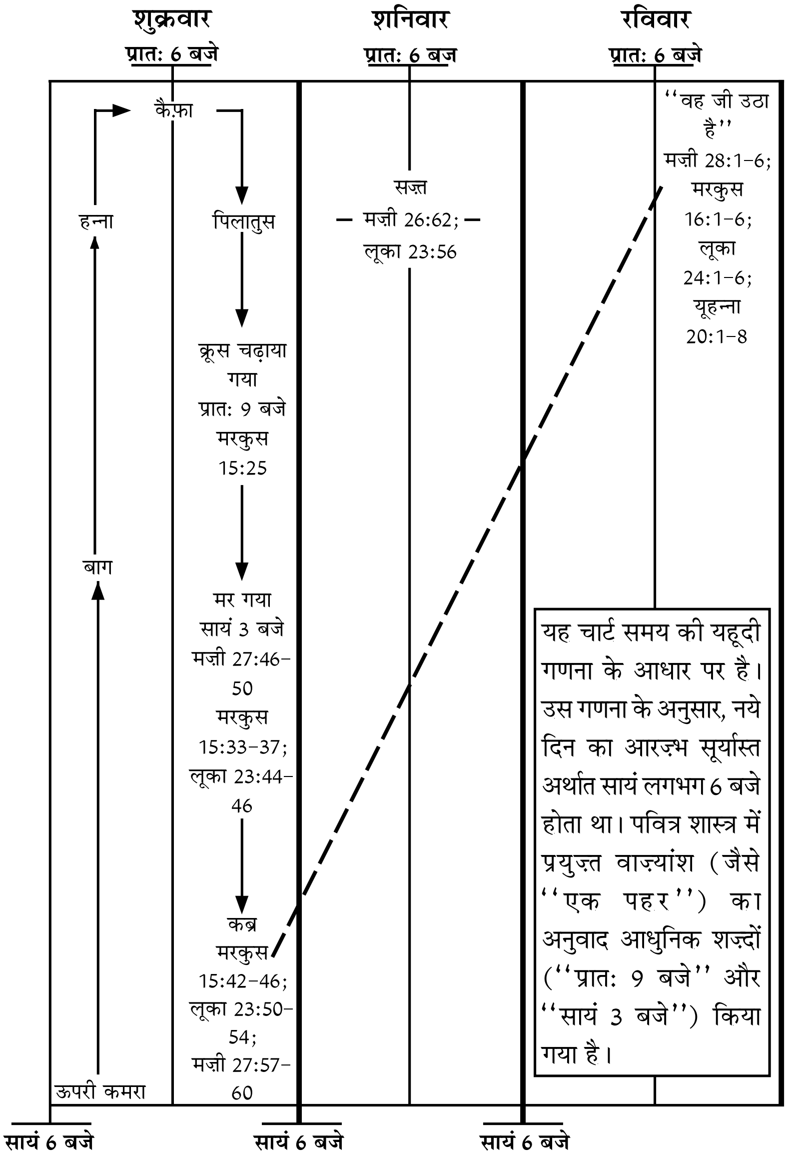
शुक्रवार
प्रात: 6 बजे
शनिवार
प्रात: 6 बज
रविवार
प्रात: 6 बजे
कैफ़ा
हन्ना
पिलातुस
बाग
ऊपरी कमरा
क्रूस चढ़ाया गया
प्रात: 9 बजे
मरकुस 15:25
मर गया
सायं 3 बजे
मज़ी 27:46–50
मरकुस 15:33–37;
लूका 23:44–46
कब्र
मरकुस 15:42–46;
लूका 23:50–54;
मज़ी 27:57–60
सज़्त
— मज़ी 26:62; —
लूका 23:56
''वह जी उठा है''
मज़ी 28:1–6;
मरकुस 16:1–6;
लूका 24:1–6;
यूहन्ना 20:1–8
यह चार्ट समय की यहूदी गणना के आधार पर है। उस गणना के अनुसार, नये दिन का आरज़्भ सूर्यास्त अर्थात सायं लगभग 6 बजे होता था। पवित्र शास्त्र में प्रयुज़्त वाज़्यांश (जैसे ''एक पहर'') का अनुवाद आधुनिक शज़्दों (''प्रात: 9 बजे'' और ''सायं 3 बजे'') किया गया है।
सायं 6 बजे
सायं 6 बजे
सायं 6 बजे